

भूवर्ध्यापनाः स्थलसंस्पर्शनि 13,2662. R. 5,94,9. Suçr. 1,23,1. 130,18. Kām. Nitis. 12,5,15,6. 12. Spr. (II) 543. 570. 3658. 4392. गिरेः स्थलानि 4963. न च नैर्गच्छति स्थले 5186. °गामेन् Varāh. Brh. S. 28,4. °संभ-
वौषधि 41,2. उत्तरां द्विपस्य तोयात्स्थलम् 91,14. 93,59. Kathās. 29,60. Bhāg. P. 2,6,14. 10,40. 5,26,28. 10,73,37. Pāṇār. 1,14,8. Hit. 39,10. 42,13. ed. Johns. 2347. 2349. Verz. d. Oxf. H. 23,6, N. 2. P. 1,3,67. Schol. von gewölbten Körpertheilen: उरुः° Ragh. 5,52. 13,73. Spr. (II) 3142. 7417. Varāh. Brh. S. 44,21. 53,52. 58,32. Prabh. 81,16. Bhāg. P. 2,1, 28. 5,5,31. वतः° Spr. (II) 6818. Kathās. 73,307. VP. 1,6,6. Bhāg. P. 2,7,25. 3,8,28. 7,8,22. Pāṇār. 1,3,75. 7,3,15. 2,4,5. जघन° Spr. (II) 7002. Kathās. 47,108. ऋस° 83,39. गण्ड° (s. auch bes.) Bhāg. P. 5,25, 4. Pāṇār. 1,3,77. 12,23. कुम्भ° Bhāg. P. 6,11,10. — b) Erdboden: विदलति स्म कुदालैः स्थलानि च समततः R. Gorr. 2,87,10. स्थलाद्वा M. 7,91. Ragh. 11,14. Spr. (II) 7219. कोमल° Pāṇār. 1,10,50. Pāṇār. 246,6. नाकाशे नावनिस्थले Hariv. 5864. अथ देवाः संप्रयाताः समैर्वर्त-
मिस्थलैः MBh. 2,2517. Fussboden: कर्म्य° so v. a. das flache Dach eines Palastes Megh. 67. MBh. 13,191. Bhāg. P. 9,11,32. 10,50,53. Pāṇār. 1,10,46. — c) Platz, Ort, Stelle MBh. 1,4996. Varāh. Brh. S. 24,6. परस्थले Kathās. 43,271. Pāṇār. 118,23. 161,15. वेदि° R. 2,56, 29 (vgl. प्रत्यक्स्थली वेदि 3,77,23). तपसः Stätte für Pāṇār. 1,2,51. तपः° 6,53. कोपाग्नीनाम् 14,6. 28. — d) Fall: तथाविधस्थले in einem derartigen Falle Sāh. D. 18,11. 24,4. 106,14. Sarvadarśanas. 7,14. स्व-
प्रस्थले Nilak. 168. Schol. zu Kap. 1,57. Kusum. 34,15. 36,7. Comm. zu TS. Prāt. 1,61. 4,11. 23. 11,4. 19,4. 20,2. — e) N. pr. (?) einer Oert-
lichkeit Verz. d. Oxf. H. 338,6,26. — Vgl. घट°, घट्टिक°, घवि°, घा-
नक°, उत्°, ऋतु°, कण्टक°, कुश°, कुष्ठल, केलि°, कृतु°, गण्ड°, घृत°,
तपः°, त्रि°, दाण्डायन° (unter दाण्डायन), धर्म°, नभः°, नाग°, परिष्ठल,
पुञ्जिक°, प्र°, प्रसव°, ब्रह्म°, मद्°, महुक°, मध्य°, मरु°, मरुा°, मान°,
माकुक°, माह्विष°, मुनि°, मूल°, मूषिक°, यत्त°, यत्त°, राज°, लोक°, च-
ध°, वन°, वसु°, वारण°, विष्ठल, वृक°, व्यास°, शमिष्ठल, शुभ°, श्री°,
सम°, समाधि°, समुद्र°, सलिलस्थलचर, सिद्ध°, सु°, स्थल.

स्थलकन्द m. = अग्राम्यकन्द (?) Ratnam. im ÇKDr.

स्थलकमल n. die Blüthe von Hibiscus mutabilis Dhany. 3,54. Bhā-
vapr. im ÇKDr. Gtr. 10,7. — Vgl. स्थलपद्म.

स्थलकमलिनी f. Hibiscus mutabilis Megh. 90.

स्थलकाली f. N. pr. eines Wesens im Gefolge der Durgā Wilson,
Sel. Works 2,38.

स्थलकुमुद m. Nerium odorum Rāṇ. 10,11.

स्थलग adj. auf dem Festlande lebend: जलस्थलखगैः सन्तैः Bhāg. P. 8,
10,12. स्थलखाम्बुगाः H. 22.

स्थलचर adj. dass. (neben जलचर und अतरीचर) R. Gorr. 1,13,29.
Hit. Johns. 1925. स्थलसलिलचरणां व्यत्ययः Varāh. Brh. S. 95,58.

स्थलज 1) adj. auf dem Festlande —, trockenem Boden wachsend, — le-
bend M. 1,44. 6,13. जलजानि च पुष्पाणि मात्स्यानि स्थलजान्यपि R. 2,59,
11. 4,25,24. जलजान्यपि सन्तानि स्थलजान्यपि R. Gorr. 2,59,10. Āraṇh.
4,7. Reis Suçr. 1,196,10. स्थलाम्बुजाः Varāh. Brh. 3,5. 6. so v. a. जलज
Kāraṇa 1,27. शुल्क° so v. a. Landsteuer (im Gegens. zu Wassersteuer)
Jāṇ. 2,263. — 2) f. Süssholz Rāṇ. 6,149.

स्थलतर (von स्थल) n. ein höher gelegener Platz Lāṭs. 1,1,17.

स्थलता f. nom. abstr. von स्थल Festland Spr. (II) 543. Pāṇār. 84,
20. शुष्क° 79,13.

स्थलनलिनी f. Hibiscus mutabilis; am Ende eines adj. comp. °क
Bhāg. P. 5,8,22.

स्थलनीरुज n. die Blüthe von Hibiscus mutabilis Pāṇār. 3,12,4.

स्थलपथै m. Schol. zu P. 5,4,74. gaṇa देवपथादि zu 3,100 (प्रतिकृति
संज्ञायाम्). Landweg, — strasse (im Gegens. zu Wasserweg): °पथेन zu
Lande (eine Stadt erreichen) Kathās. 101,115. वारिस्थलपथान्विता (भू-
Kām. Nitis. 4,52. स्थलजलपथवाणिष्यादि (स्थल° gedr.) Kull. zu M. 7,
101. वाणिक्पथो द्विविधः स्थलपथो जलपथश्च so v. a. Handel zu Lande
Comm. zu Kām. Nitis. 5,78. — Vgl. स्थलपथ, °पथिक.

स्थलपद्म 1) m. Arum indicum Ratnam. im ÇKDr. — 2) n. die Blüthe
von Hibiscus mutabilis Trik. 2,4,34. Pāṇār. 1,7,26. 10,51. Bhāṭṭ. 2,3.
— Vgl. स्थलकमल.

स्थलपद्मिनी f. Hibiscus mutabilis Rāṇ. 5,79.

स्थलपिण्डा f. eine Dattellart Rāṇ. 11,61.

स्थलमञ्जरी f. Achyranthes aspera Ratnam. im ÇKDr.

स्थलरुक्ता f. Hibiscus mutabilis Rāṇ. 5,80.

स्थलवर्तमन् n. = स्थलपथ Landweg: °वर्तमाना zu Lande Ragh. 4,60.

स्थलविक्रम m. Landvogel Bhāg. P. 5,2,4. °गम ed. Bomb.

स्थलप्रङ्काट m. Tribulus lanuginosus oder ein ähnliches Gewächs H.
1136. Halās. 2,46. Ratnam. im ÇKDr. °क m. dass. Rāṇ. 4,42.

स्थलसोमन् m. = स्थण्डिल m. (!) Bhūriprajoga im ÇKDr. a boun-
dary, a land-mark Wilson.

स्थलस्थ adj. auf trockenem Lande stehend: स्थलस्थं तमृषिं कृत्वा
MBh. 1,6749. R. 4,13,10. Bhāg. P. 3,27,12.

स्थलारविन्द (स्थल + अरु°) n. die Blüthe von Hibiscus mutabilis Ku-
māras. 1,33.

स्थली देवता f. Localgottheit Megh. 103. = वनदेवता ein Schol.

स्थलोभूत adj. hoch gelegen: देश Hariv. 3706.

स्थलीय (von स्थल), °पति für Festland halten: ईश्वरमपाम् Spr.
(II) 3899.

स्थलीय adj. von स्थल Fall am Ende eines comp.; s. उद्देश्यविधेय-
बोधस्थलीयविचार in den Nachträgen.

स्थलेजात 1) adj. auf dem Festlande, auf trockenem Lande gewachsen
(wachsend): पद्मिनी so v. a. Hibiscus mutabilis R. 4,48,10. — 2) n.
Süssholz Ratnam. 37.

स्थलेपु (von स्थल) m. N. pr. eines Sohnes des Raudrāçva Hariv.
1660. VP. 447.

स्थलेरुक्ता f. Bez. zweier Pflanzen: = दग्धा Rāṇ. 9,127. = गृक्कु-
मारी Rāṇ. im ÇKDr.

स्थलेशय N. eine Amphibie, die zur Nacht an's Land kommt, Rāṇ.
im ÇKDr.

स्थलीकम् (स्थल + कृ°) m. ein auf dem Festlande lebendes Thier:
नभःस्थलजलौकसः Bhāg. P. 6,4,19.

स्थैवि Unādis. 4,56. m. Weber Ucéval. = ब्रह्म und स्वर Unādiv.
im Saṃkṣiptas. nach ÇKDr.